

भारत सरकार

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे 'कौशल दीक्षांत समारोह' में छात्रों को लाइव संबोधित किया

कौशल दीक्षांत समारोह आज के भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है - श्री नरेंद्र मोदी

आज पूरी दुनिया को यह विश्वास है कि यह सदी भारत की सदी होने वाली है - श्री नरेंद्र मोदी

भारत में बेरोज़गारी दर 6 वर्ष में सबसे निम्न स्तर पर है - श्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली

12 अक्टूबर 2023

माननीय प्रधानमंत्री ने 12 अक्टूबर 2023 को कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा आयोजित दूसरे 'कौशल दीक्षांत समारोह' - वार्षिक कौशल दीक्षांत समारोह - में छात्रों को लाइव संबोधित किया। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान और कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री के संजय मूर्ति, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय; श्री संजय कुमार, सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग; श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय; श्री निर्मलजीत सिंह कलसी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी); प्रोफेसर टी.जी.सीताराम, अध्यक्ष, एआईसीटीई; प्रो. एम. जगदीश कुमार, अध्यक्ष, यूजीसी; इस अवसर पर अन्य अधिकारी, गण्यमान्य व्यक्ति और छात्र भी उपस्थित थे।



सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल विकास का यह उत्सव अपने आप में अद्वितीय है और देश भर के कौशल विकास संस्थाओं के संयुक्त दीक्षांत समारोह का आज का आयोजन एक बहुत ही सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह आज के भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस आयोजन से जुड़े हजारों युवाओं की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए सभी युवाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं।

माननीय प्रधानमंत्री ने किसी भी देश की ताकत जैसेकि उसके प्राकृतिक या खनिज संसाधनों, या उसकी लंबी तट रेखाओं का उपयोग करने में युवाओं की शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि देश मजबूत युवा शक्ति के साथ और अधिक विकसित होता है जिससे देश के संसाधनों के साथ न्याय सके। आज, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि समान सोच भारत के युवाओं को सशक्त बना रही है जो पूरे इको सिस्टम में अभूतपूर्व सुधार कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री ने कहा, "इसमें देश का दोहरा दृष्टिकोण है।" उन्होंने बताया कि भारत अपने युवाओं को कौशल और शिक्षा के माध्यम से नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला, जिसे लगभग 4 दशकों के बाद स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि सरकार बड़ी संख्या में नए मेडिकल कॉलेज और आईआईटी, आईआईएम या आईटीआई जैसे कौशल विकास संस्थान स्थापित कर रही है, और उन करोड़ों युवाओं का उल्लेख किया जिन्हें प्रधानमंत्री

कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार प्रदान करने वाले पारंपरिक क्षेत्रों को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, जबकि रोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाले नए क्षेत्रों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा माल निर्यात, मोबाइल निर्यात, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात, सेवा निर्यात, रक्षा निर्यात और विनिर्माण में नए रिकॉर्ड बनाने और साथ ही अंतरिक्ष, स्टार्ट-अप, ड्रोन, एनीमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, अर्धचालक, आदि जैसे कई क्षेत्रों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में नए अवसर सृजन करने का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने इसके लिए भारत की युवा आबादी को श्रेय देते हुए कहा, "आज पूरी दुनिया इस बात पर विश्वास कर रही है कि यह सदी भारत की सदी होगी।" श्री मोदी ने रेखांकित किया कि जब दुनिया के कई देशों में वृद्धों की जनसंख्या बढ़ रही है, भारत हर गुजरते दिन के साथ युवा होता जा रहा है। "भारत को इसका बहुत बड़ा लाभ है", उन्होंने बल देकर कहा कि दुनिया अपने कुशल युवाओं के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल स्किल मैपिंग को लेकर भारत के प्रस्ताव को हाल ही में जी20 शिखर सम्मेलन में स्वीकार कर लिया गया है, जिससे आने वाले समय में युवाओं के लिए बेहतर अवसर को सृजन करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने किसी भी अवसर को व्यर्थ न करने का सुझाव दिया और आश्वासन दिया कि सरकार इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए तैयार है। श्री मोदी ने पिछली सरकारों में कौशल विकास के प्रति उपेक्षा की ओर इशारा करते हुए कहा, "हमारी सरकार ने कौशल के महत्व को समझा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया और एक अलग बजट आवंटित किया।" उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपने युवाओं के कौशल में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रहा है और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का उदाहरण दिया जिसने युवाओं को बुनियादी स्तर पर मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस स्कीम के अंतर्गत अब तक करीब 1.5 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक समूहों के नजदीक नए कौशल केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो उद्योग को कौशल विकास संस्थानों के साथ अपनी आवश्यकताओं को साझा करने में सक्षम बनाएंगे, जिससे बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए युवाओं के बीच आवश्यक कौशल सेट विकसित होंगे।

कौशलीकरण, कौशल उन्नयन और पुनः कौशलीकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, माननीय प्रधानमंत्री ने जॉब की तेजी से बदलती मांगों और प्रकृति पर ध्यान दिया और तदनुसार कौशल को उन्नत करने पर बल दिया। इसलिए, प्रधानमंत्री ने कहा, उद्योग, अनुसंधान और कौशल विकास संस्थानों के लिए वर्तमान समय के अनुरूप होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल पर बेहतर फोकस को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 9 वर्षों में देश में लगभग 5 हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं, जिनमें 4

लाख से अधिक नई आईटीआई सीटें शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि श्रेष्ठ पद्धतियों के साथ कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थानों को आदर्श आईटीआई के रूप में उन्नत किया जा रहा है।

“भारत में कौशल विकास का क्षेत्र निरंतर बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकी या किसी अन्य सेवा तक सीमित नहीं हैं”, प्रधानमंत्री ने कहा क्योंकि उन्होंने उल्लेख किया था कि महिला स्व-सहायता समूहों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किया जा रहा है। हमारे रोजमर्रा के जीवन में विश्वकर्माओं के महत्व पर बल देते हुए, श्री मोदी जी ने पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया जो विश्वकर्माओं को अपने पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक और उपकरणों के साथ जोड़ने में सक्षम बनाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, युवाओं के लिए नई संभावनाएं सृजित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार सृजन नई ऊंचाई पर पहुंच गया है और एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर 6 वर्ष में सबसे निचले स्तर पर है। यह देखते हुए कि भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी तेजी से कम हो रही है, प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि विकास का लाभ गांवों और शहरों दोनों तक समान रूप से पहुंच रहा है, और इसके परिणामस्वरूप, गांवों और शहरों दोनों में नए अवसर समान रूप से बढ़ रहे हैं। उन्होंने भारत के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि की भी चर्चा की और महिला सशक्तिकरण के संबंध में पिछले वर्षों में भारत में शुरू की गई स्कीमों और अभियानों के प्रभाव को श्रेय दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी हालिया आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत आगामी वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के अपने संकल्प को भी स्मरण किया और कहा कि आईएमएफ को भी विश्वास है कि भावी 3-4 वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे देश में रोजगार और स्व-रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने स्मार्ट और कुशल जनशक्ति समाधान प्रदान करने के लिए भारत को दुनिया में कुशल जनशक्ति का सबसे बड़ा केंद्र बनाने पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने “सीखने, सिखाने और आगे बढ़ने की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए तथा आप जीवन में हर कदम पर सफल हों”, कहकर अपना संबोधन समाप्त किया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए श्री धर्मेंद्र प्रधान ने उल्लेख किया कि 17 सितंबर 2023 को पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की गई थी, जिससे क्षमता-निर्माण और कौशल उन्नयन के साथ 30 लाख पारंपरिक कारीगरों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज, देश भर में 10 लाख 60000 प्रशिक्षुओं को उनके प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए जो देश के कुशल मानव संसाधन के लिए एक अतिरिक्त रूप से उपयोगी होगा। उन्होंने स्किल इंडिया के माध्यम से युवा शक्ति, विशेषकर दिव्यांग भाई-बहनों के सपनों को पंख देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया।



माननीय मंत्री जी ने यह भी उल्लेख किया कि एनईपी 2020 ने छठी कक्षा से शिक्षा प्रणाली में कौशल प्रशिक्षण को शुरू करके औपचारिक रूप दिया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनईपी स्कूली शिक्षा और कौशल के एकीकरण पर बल देती है। उन्होंने कहा कि कक्षा III, IV, V, VI, IX और XI के लिए शिक्षण-अध्ययन सामग्री भी आगामी शैक्षणिक वर्ष तक उपलब्ध होगी।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कैसे सेमीकंडक्टर जैसे उभरते और व्यावहारिक क्षेत्रों को स्कूली पाठ्यक्रम में एकीकृत किया जाएगा और नए अवसर सृजन करने तथा विविध और प्रतिभाशाली युवा शक्ति की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात को भी उजागर किया कि, जैसा कि 15 अगस्त 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषणा की गई थी, 15000 महिलाओं को परिशुद्ध और सटीक कृषि में उपयोग के लिए ड्रोन प्राप्त होंगे।

माननीय मंत्री जी ने कहा कि कौशल की परिवर्तनकारी शक्ति के साथ, भारत वैश्विक कुशल मानव संसाधन आवश्यकताओं की आपूर्ति श्रृंखला में अग्रणी बनने जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में शुरू किए गए स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल पर लगभग 4 करोड़ युवा पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि एनसीवीटी, यूजीसी, एआईसीटीई, दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य द्वारा देश के युवाओं को कुशल बनाने के उद्देश्य से और अधिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

माननीय मंत्री जी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उज्ज्वला, आवास स्कीमों, स्वास्थ्य लाभ आदि जैसी विकासात्मक स्कीमों की शुरुआत के कारण कौशल इकोसिस्टम में महिलाओं का समावेश काफी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि भारत की बेरोजगारी दर वर्ष 2017 में 6% से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.2% हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इसी अवधि के दौरान 1.5 करोड़ नागरिकों को कौशल इको सिस्टम में जोड़ा गया है।

माननीय राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वालों को बधाई दी और इसे सबसे प्रेरणादायक और ऊर्जावान दिनों में से एक बताया। उन्होंने देश के युवाओं के लिए भविष्य गढ़ने और निर्माण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि देश के प्रत्येक युवा के लिए उनकी आर्थिक स्थिति या स्थान की परवाह किए बिना एक विकसित भारत बनाने का प्रधानमंत्री का विज़न उन्हें कौशल प्रदान करके किस तरह संभव होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2014 में, देश के 40 करोड़ कार्यबल में से, लगभग 30 करोड़ के पास औपचारिक प्रशिक्षण का अभाव था, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कौशल भारत की शुरुआत से काफी बदलाव आया है।

माननीय राज्य मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इन कौशलों को प्राप्त करना हमारे युवाओं के लिए 'समृद्धि का पासपोर्ट' होगा। उन्होंने कहा, भारत सरकार के सभी कार्यक्रमों में, कौशल में युवा भारतीयों की हमारी विशाल जनसंख्या को स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी भी अन्य समय के विपरीत, अपने लिए एक सुदृढ़ और बेहतर भविष्य बनाने में सक्षम बनाने की क्षमता है।

इस कार्यक्रम में स्किल इंडिया कार्यक्रम की उपलब्धियों पर एक ऑडियो-वीडियो फिल्म भी दिखाई गई। एक सौ निमी (राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान) भाषा की किताबें भी लॉन्च की गईं। इन पुस्तकों का बंगाली, मराठी, तेलुगु, पंजाबी, गुजराती, कन्नड़, हिंदी, असमिया, मलयालम, उड़िया, तमिल और उर्दू सहित 12 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। इस कार्यक्रम में उद्यमशीलता विकास संबंधी एक पुस्तिका भी लॉन्च की गई।



इस समारोह में एमएसडीई की विभिन्न कौशल पहलों में अखिल भारतीय टॉपर्स और उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया। आईटीआई/एनएसटीआई, पीएमकेवीवाई और विशेष परियोजनाओं, निस्बड और आईआईई, और जन शिक्षण संस्थान के टॉपर्स और स्किल इंडिया इंटरनेशनल के शिक्षुओं ने अपने प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। एक विशेष रूप से दिव्यांग पुरस्कार विजेता सहित टॉपर्स और पुरस्कार विजेताओं ने अपने अनुभव साझा किए, जो काफी प्रेरणादायक थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई महिला उम्मीदवारों को पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा चुनी जाने वाली जॉब रोल्स में प्रवेश करने के लिए कार्यक्रम के दौरान विशेष मान्यता प्राप्त हुई।

प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के दीर्घावधि कौशल इकोसिस्टम के अंतर्गत शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के तहत शैक्षणिक-सत्र वर्ष 2022-23 (1-वर्षीय ट्रेड) और 2021-23 (2-वर्षीय ट्रेड) के लिए परीक्षाएं जुलाई 2023 के दौरान आईटीआई में आयोजित की गईं और परिणाम अगस्त 2023 में घोषित किया गया। लगभग 16 लाख छात्र अंतिम परीक्षा शामिल हुए, जिनमें से लगभग 14 लाख उत्तीर्ण हुए। इसका उत्तीर्ण प्रतिशत 88.07% है।

इसी प्रकार, देश भर में एनएसटीआई और आईटीओटी में कार्यन्वित की जा रही शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण स्कीम (सीआईटीएस) के लिए, 8621 अंतिम परीक्षा में शामिल हुए और 7933 उत्तीर्ण हुए। इसका उत्तीर्ण प्रतिशत 92.02% था।

कौशल दीक्षांत समारोह का विज्ञान प्रतिभा को निखारने और छात्रों को अपने कौशल को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने में सक्षम बनाने के लिए स्कूल-आधारित और कार्य-आधारित शिक्षा के मिश्रण का उपयोग करना है। इन छात्रों ने सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर, यूआई/यूएक्स डेवलपर, डेटा वैज्ञानिक, सोशल मीडिया कार्यनीतिकार, सौंदर्य देखभाल सहायक, खान सर्वेक्षक, घरेलू देखभाल इत्यादि जैसी रोल्स भिन्न जॉब रोलों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

गत वर्ष, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने पहली बार एक भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया था। इसी प्रकार, इस वर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन करके, राष्ट्र-निर्माण पहल का हिस्सा बनने के लिए कौशल इको सिस्टम से जुड़े सभी छात्रों के बीच गर्व और सम्मान की भावना पैदा करना है। यह कार्यक्रम छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण को प्रदर्शित करेगा और उनके बीच जुड़ाव की भावना को प्रेरित करेगा।
